अखिल भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस
24 अकबर रोड नई दिल्ली–110011
मीडिया विभाग

पत्रकार वार्ता के मुख्य बिन्दु सोमवार 09 जनवरी, 2012 सायं–4.15

श्री राशिद अलवी ने पत्रकारों को संबोधित किया ।

श्री राशिद अलवी ने पत्रकारों को संबोधित करते हुए कहा कि राजनीति में सत्ता हासिल करना अपने आप में महत्व नहीं रखती, सत्ता अपने आप में कोई चीज नहीं होती है। असल चीज राजनीति के अन्दर सिद्धांत होते हैं। लड़ाई सिद्धांतों और उसूलों के लिए लड़ी जाती है। लेकिन जब–जब लड़ाई सिद्धांतों को छोड़ कर सत्ता के लिए लड़ी जाने लगती है तो सिद्धांत समाप्त हो जाते हैं और ऐसी लड़ाई सिद्धांतों की लड़ाई नहीं रह जाती सिर्फ सत्ता की लड़ाई रह जाती है। जब लड़ाई सत्ता की होती है उसमें कभी भी अच्छे काम नहीं किये जा सकते, उद्देश्य सत्ता हासिल करना होता है। सत्ता सिद्धांतों को एवं उसूलों को कार्यान्वित करने का एक रास्ता है, सत्ता अपने आप में कोई चीज नहीं होती। लेकिन इतिहास में आप देखेंगे कि जब–जब राजनीतिक दलों ने या लोगों ने सिद्धांतों को किनारे करके सत्ता की लड़ाई लड़ी है तो वो खो जाते हैं। वो इस तरीके से अलग–अलग रास्तों पर दौड़ने लगते हैं कि उन्हें जिधर से भी सत्ता नजर आती है, उसी तरफ तेजी के साथ दौड़ते हैं। भाजपा के अन्दर कुशवाहा जी ने अपनी दरख्वास्त लगाई कि जब तक मुझे सीबीआई से क्लीन चिट नहीं मिलती है तब तक मेरी सदस्यता को लंबित रखा जाए और रोक दिया जाए, और भाजपा ने एवं उनके अध्यक्ष ने उनकी दरख्वास्त को मान भी लिया है। भाजपा को खुद नहीं पता है कि वो किन सिद्धांतों के लिए लड़ाई लड़ रहे हैं। उनको सत्ता की इतनी जल्दी है, सत्ता का इतना लालच है कि सिद्धांतों को एक तरफ रखकर जिस रास्ते पर उन्हें यह नजर आता है कि सत्ता हासिल की जा सकती है, उसी रास्ते पर वे दौड़ना शुरू कर देते हैं। उन्हें पता चलता है कि भगवान राम के जरिए सत्ता हासिल हो सकती है तो राम रथ–यात्रा निकालेंगे, उन्हें पता चलता है कि अगर भ्रष्टाचार से लड़ाई का नारा दिया गया तो शायद सत्ता हासिल हो जाए, तो पूरे देश के अन्दर भ्रष्टाचार के खिलाफ रथ–यात्रा निकालेंगे। किसी ने कहा कि उत्तर प्रदेश का राज्य कुशवाहा जी को शामिल करने से हासिल हो सकता है, तो आंखे बंद करके शामिल कर लिया। अखबारों में छपने

के बाद एहसास हुआ कि यह भारतीय जनता पार्टी नहीं है अपितु बलन्डर जनता पार्टी है। किसी ने कहा कि यह भारतीय जनता पार्टी नहीं है अपितु ''भ्रष्ट जनता पार्टी है''। जब ऐसा एहसास हुआ तो उनकी सदस्यता को लंबित कर दिया गया, नहीं मालूम कि वे भाजपा के अन्दर हैं या भाजपा के बाहर हैं। श्री राशिद अलवी ने एक शेयर पढ़ते हुए कहा कि–रात भर पीते रहे, सुबह को तौबा कर ली, रिन्द के रिन्द रहे हाथ से जन्नत न गयी, यह भाजपा का असली चरित्र है।

यूपी विधानसभा में लगभग आठ उम्मीदवारों को कांग्रेस पार्टी द्वारा बदले जाने पर पूछे गए एक प्रश्न के उत्तर में श्री राशिद अलवी ने कहा कि उम्मीदवारों को बदलना या न बदलना पार्टी का अंदरूनी मामला है, इस पर बहस नहीं की जा सकती। उम्मीदवार को जब मैदान में उतारा जाता है तो पार्टी को कई बातों को ध्यान में रखना पड़ता है। जीतने वाला उम्मीदवार है, साफ़–सुथरी छवि वाला उम्मीदवार है, दूसरों का मुकाबला कर पाएगा या नहीं, इन सभी चीजों को ध्यान में रखकर पार्टी फैसला करती है। अगर आवश्यकता होती है तो उम्मीदवार बदला भी जा सकता है।

एक अन्य प्रश्न पूछे जाने पर कि क्या सिद्धांत की बात ममता पर लागू नहीं होती, श्री राशिद अलवी ने कहा कि ममता जी की पार्टी यूपीए सरकार की घटक है। उनके साथ हम बंगाल में एवं दिल्ली में सरकार में शामिल हैं वो हमारी साझेदार पार्टी है, यहां मैं उन पर कोई बात एवं टिप्पणी नहीं कर रहा। अगर टीएमसी कुछ बोली है तो यह हमारा आपसी मामला है। श्री राशिद अलवी ने इस सन्दर्भ में दोहराया कि जब अन्य राजनीतिक दलों से समझौता होता है तो आपस में विचारों में मतभेद हो सकते हैं, बातचीत द्वारा मतभेदों का भी हल निकल आता है। अगर किसी प्रकार का छोटा–मोटा मतभेद है भी तो उसे बातचीत द्वारा निपटाया जा सकता है और निपटा लिया जाएगा, इसलिए इस पर बहुत अधिक व्याकुल होने की जरूरत नहीं है।

एक और प्रश्न पूछे जाने पर कि क्या यूपी में टीएमसी और जेडी(यू) गठबंधन करने जा रहे हैं, श्री राशिद अलवी ने कहा कि यह बात हम कई बार कह चुके हैं कि कांग्रेस पार्टी का टीएमसी के साथ बंगाल एवं दिल्ली में गठबंधन है, यूपी के अन्दर टीएमसी के साथ हमारा कोई गठबंधन नहीं है।

एक अन्य प्रश्न पर कि क्या यूपीए के घटकों ने समन्वय समिति के गठन की बात कही है, श्री राशिद अलवी ने कहा कि इस पर सरकार विचार करेगी कि इसमें क्या हो सकता है और लगातार आपस में बातचीत होती रही है। सभी घटकों के प्रतिनिधि मंत्रिमण्डल में मौजूद हैं। अगर कोई भी ऐसी समस्या आती है तो

मंत्रिमण्डल में उस पर विचार–विमर्श होता है, प्रधानमंत्री की मौजूदगी में विचार होता है। अगर कोई प्रस्ताव सरकार के सामने आएगा तो अवश्य ही सरकार उस पर विचार करेगी।

मुंबई में आगामी निगम चुनावों में एनसीपी के साथ समझौते को लेकर पूछे गए प्रश्न के उत्तर में श्री राशिद अलवी ने कहा कि कांग्रेस पार्टी और एनसीपी के साथ बातचीत चल रही है और जैसे ही किसी निष्कर्ष पर पहुंचा जाएगा, मीडिया को अवश्य बताया जाएगा।

नरेंद्र मोदी द्वारा यूपी विधानसभा चुनाव के दौरान प्रचार करने पर पूछे एक प्रश्न के उत्तर में श्री राशिद अलवी ने कहा कि हर व्यक्ति को अधिकार है कि वो कहीं भी प्रचार करे। अगर वे यूपी में प्रचार करने आ रहे हैं तो संविधान उन्हें ऐसा करने का अधिकार देता है।

4 फरवरी वाले मतदान की तिथि को बदलने के विषय में पूछे गए प्रश्न के उत्तर में श्री राशिद अलवी ने कहा कि संविधान चुनाव आयोग को ऐसा अधिकार देता है। यह अफसोस की बात है कि कुछ राजनीतिक दल चुनाव आयोग पर टिप्पणी करते हैं एवं अंगुली उठाते हैं। चुनाव आयोग एक स्वतंत्र संस्था है, अपने फैसले खुद करने में सक्षम है चाहे तारीखों को बदलना हो अथवा कुछ और फैसला हो। प्रजातंत्र में अधिक बेहतर होगा कि चुनाव आयोग को शक के घेरे से बाहर रखा जाए, उस पर अंगुली न उठाई जाए। अगर चुनाव आयोग कोई तिथि बदल रहा है तो सोच–समझकर कर रहा होगा।

चुनाव आयोग द्वारा उत्तर प्रदेश में मूर्तियों को ढकने पर आदेश जारी करने के विषय में पूछे जाने पर श्री राशिद अलवी ने कहा कि चुनाव आयोग अपने निर्णय में सक्षम है, अगर उन्होंने मूर्तियों को ढकने का फैसला लिया है तो उस पर अंगुली नहीं उठानी चाहिए। चुनाव आयोग की जिम्मेदारी है कि ईमानदारी के साथ निष्पक्ष चुनाव कराने चाहिए। चुनाव आयोग एक ऐसी संस्था है जिसके निष्पक्ष चुनाव कराने से लोकतंत्र मजबूत होता है, जनतंत्र मज़बूत होता है। उसको शक से ऊपर रखना चाहिए, यह दुर्भाग्यपूर्ण है अगर कुछ राजनीतिक दल चुनाव आयोग पर अंगुली उठा रहे हैं।

हस्त/–
(टॉम वडक्कन)
मीडिया सचिव